

50877-50879

50877 - (परमार्थसार)

50878 - (गिरनरनाद)

50879 - (ब्रह्मसंख्यानम्)

पर
मं मं
३

ममंमैवमचनयभनलयभा॥रिक्कलंभवकवभुभेउडुयाडिउगि
नेपविभ्रत्रमभुत्रगुतेरमथभुउ॥नमभिरमउत्रभिपउडुयडिउगि
न॥हेभहथीहेभऊपीहेभहेभहवभ्रिउः॥मविरमीनिरलभेपउडु
यडिउगि॥रवभृक्झिमकरभ्रचनडिउगि॥प्रथरहेभभहं
वउडुयडिउगिन॥नमगीगंयडुंनमैकेपिहवभ्रिउः॥मभिरम
उत्रभिपउडुयडिउगिन॥नपरप्रह्येइहेनथगकझिउगुउ॥मभिर
मीनिरलभेपउडुयडिउगिन॥उम्रगदिउंयम्रमवल्हडुउंनिकुभा

ਮੇਰਾ ਸਿਰ ਤੁੰਮਾ ਪਤ ਫੂਧਾ ਤਿਧੈ ਗਿਰ ॥ ਅਲ ਕਿੰਤੁ ਲਖਾ ਸਚ ਦੀਪਰ ਲ
 ਕਿੰਤੁ ਤੁੰਗ ਮਿਥੁ ਮਝੈ:
 ਰਿੰਧੇ ਪੁੰਗ ਨਿਰਾ ਮਮੋਤ ਫੂਧਾ ਤਿਧੈ ਗਿਰ ॥ ਅਰ ਸੁਦ ਮਮ ਮਿਥੁ ਧਰ ਵਲ ਵਿਰ
 ਲਿਤ ਮਾ ॥ ਕਲਾ ਕਲਕ ਨਿਥੁ ਤੁੰਮੋਤ ਫੂਧਾ ਤਿਧੈ ਗਿਰ: ॥ ਨਾਦ ਮਮੋਤ ਮਥੁ ਤੁੰ
 ਰਾਹੋ ਮਿਥੁ ਪੁੰਗ ॥ ਪਰ ਮਿਥੁ ਮਮੋਤ ਧਰੇ ਗੀ ਮਿਥੁ ਤਿਰਾਹੁ ॥ ਨ ਮੇਰੇ
 ਨਾਨਾ ਕਰ ਕਰਾ ਕਰਾ ਪਿਰ ਲਿਤ: ॥ ਨਾਨਾ ਮੇਰੇ ਨਿਰਾ ਮਮੋਤ ਧਰ ਵਲ ਵਿਰ ॥ ਧਰ
 ਵੇਲੇ ਪੁੰਗ ਪੁੰਗ ਤੁੰਮੋਤ ਮਮੋਤ ॥ ਨਾਨਾ ਮਮੋਤ ਧਰ ਵਲ ਵਿਰ ॥ ਧਰ

गङ्गं भिष्यत्युत्तमं गङ्गं भिष्यत्युत्तमं ॥ विषं मङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं
 पितृभ्यां ॥ मङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं ॥ दध्मं मङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं
 कृमिभिरिष्टमभा ॥ भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु ॥ भवत्तु भवत्तु भवत्तु
 पुमङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं मङ्गितं ॥ उषा पिये पिये पिये पिये पिये ॥ नमो नमो नमो
 वभं पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः ॥ नमो नमो नमो नमो नमो ॥ नमो नमो नमो नमो नमो ॥
 नमो नमो नमो नमो नमो ॥ नमो नमो नमो नमो नमो ॥ नमो नमो नमो नमो नमो ॥
 नमो नमो नमो नमो नमो ॥ नमो नमो नमो नमो नमो ॥ नमो नमो नमो नमो नमो ॥

प ३
 म म
 ७

वृथभा॥ नैरसंकेवलंतडुंभदउउहुंभित्तभा॥ मतींहुंमसाउ॥
 मज्जिभाजेवभित्तः॥ उइभुंउएिभाइंउभकलंतउवराभित्तभा॥ नक
 लंरकलामांरकलंनैरमेवडा॥ भुविचलंपांसुहंउरुवउप्रति।
 भित्तभा॥ वदरभकिभजेरसुहंभेवपांसुठभा॥ सुहंल्लवउकुहं
 रुवेकुहंरमकु॥ सुहंभेवपांसुहंल्लवविभसुउ॥ भवल्ल
 वउंरुदभभभुविवल्लित्त॥ नैरहुंरिमलंसुहंभेवपीभन
 उरभा॥ भवेभुयविरिमुजभवेभुयविरिलित्तः॥ भवेविदीरं

उल्लरतीउं पयभा ॥ प्रगके ऊभके मैररेमकेरउल्लहयेउ ॥ मजि
 भाने ॥ मैरे लहये सुनवकुतः ॥ मजि ऊं पयभं सुइ प्रवंतइ विभ
 मृते ॥ श्री कुरुतवम ॥ ॥ प्रकं गइय प्रेजं ऊभके मउत प्रेर ॥ म
 जिभ नगउं वं हें भवपी भग मैवभा ॥ भभ पिइ विरु मैव क संर
 रति ये गिरः ॥ भू एजेर भभ गइ वि भभ गीर भुप ॥ श्री रं सुगउ
 वम ॥ ॥ व प्रकं गइय ऊभके उ प्रक प्रेर ॥ भय हू धा नउ वइ
 रउ हें ॥ ॥ उभा ॥ प्र य भभ क हू रं प्रह दर्गे वन ॥ ॥ उकमे

पर
 भभ
 २

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

५१
५५

[illegible]

ਪ ੨
ਮ ਮ

ਸੁਮਿਤੁਰਮਰੇਨੁਕੁ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ੇਰਮਮਸੁ ॥ ਅਨੰਮਚੇਖਰੁਵੇਖੁਮਧਿਮਚੇ
ਹੁਵਮਿਤੁ ॥ ਯਦਾ ॥ ਯਦਮਰੇਨੁਕੁ ਰੁਪਮਰਮਰਖ ॥ ਯੋਗਿਤੁ ਗੁਨਕੁਮਰੁ
ਧਿਸਿਸਿ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਸਾ ਕਿਤੁ ਕਿੰਦੁ ਰਾਗਿਤੁ ਧਿਕੁ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਅਨੰਮ
ਤੇਖਮਚੇਖੁਮਧਿਮਚੇਮਮਸਿਤੁ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥
ਮਚੇਖੁਮਰੁ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥
ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥
ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥ ਯਦਮਰ ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

वम॥ मरुं भवेधमैडेधमयिठरंभममिउः॥ एवंमिउंभमपय॥
 सुद्धरैरुद्धरविमेग॥ वद्धगभमदभैभुरमयजिमउैरपि॥ मरुंउेवि
 मिउंउंयवकुडुनिमैडु॥ विरमजिभुवभंभदसुरविपि
 प्रण॥ भवंभभरभंनरुवरकद्विपिमिउयेग॥ मरुंयममनंरभि॥
 इमेउरभिमैउर॥ मरुंवेरुवरभिमैउरवकुडुलीठर॥ येगयकु
 सुवहुभिलकलंउरधमप॥ ठेरी॥ मरुंयपएदगेयरभुमभकुलः
 रम॥ मरुंयगीउद्वियकुभुलकभा॥ यवउमैःप्रियेभुजै॥

पं
 म॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

भववेदिहभेरम॥भगलंभवभदुरभमिंभंभदिभंतषा॥लपिभं
 मपगपुत्रभीमिहंसतसेरम॥मिहंभवकमिहंरंसाकदुभगलं॥
 भा॥भुभंकोलनंमैवपगमेसपूवेरभ॥मभएभापंमैवविद्वेधेस
 एरंरव॥विदुणरहंमिदुहभभगदुभमपिव॥मैठःभवभदुरंयैग
 यक्तुष्टएयते॥मभंकरैडिविपनंलोलयभेदयेचमुभा॥यंयंभम
 दिदमुनयंयंभडिमद्वध॥भभभदुभिमभदुकमपियक्तुष्टयैगिरः
 मवेभभच॥भगलंभगलंरम॥भवपपेपुभसुतेभववि॥रुस्रए

प १
 प २
 ५

लि गुनउल्ल मउरिग॥ अगभृगभरभ सुनहृ पपै उलिधृ॥ उभृभव
 गउंठवंउ भृभचगउभरि॥ भभिहृ उिरभचेदेभृभिहृ कलधयमि॥
 इहृ भृभृगएवउ भृभेवगूयगथगे॥ भिहृमृजिहृठउयेगिरभृभ
 दइरः॥ भपुगउभदप्रलंउहृउय विवीभिभभा॥ मंभृहृहृएउिहृ
 वेमवेमइपगगे॥ वृहृदहृयउंउहृगइगुमुदिवकग॥ कपिलनंभद
 भृदउेरमिपुददर॥ उहृवित्रैवलियेउपठपथेनपइक॥ उभृत्र
 पठंऊनंउैव भकममर॥ सुकमं विगं हृहृभउंभेमयउं उभा॥

[illegible]

विष्टे॥ विष्टिउउपयेउइमचेवलु द्विएउयः॥ अइउंकेवलंठसंइउ
 इउविवलिउभा॥ अइउंविष्टयउभरठयंविष्टेउकमिउ॥ अइउइउ
 यउरंउभाइउंयविष्टएग॥ उकुभरउयेएउउकुभरउवलिउः॥
 विष्टउकुभभाइ॥ भकषंमुहुतेगुद॥ मुहुमेलिउभंयउंमरींभव
 मदिउभा॥ विष्टउललभउउभमुहुंभलभंयउभा॥ मेदभंमेलिउ
 वउकषंकेरभकउउः॥ अग॥ भूयषवदिःपाष॥ इरयेगउः॥ उउ
 त्रंउदउकभूयेमएभषपिर॥ एउंभभभीउउमिउत्रिउंभउंगउः

प म
 ००

ਪਧਤਤੁ ਮਮਾਲੀਰੈ ਸਦਤੇ ਪਟ ਪਤਕਮਾ ॥ ਸਾਗਿ ਮੁਧੁ ਥਾਹੀ ਆਰਪੁ ਰੋਧਤਿ
ਭੁਤਲੇ ॥ ਗਿਭੇ ਪਾਏ ਸਤੈ ਸ਼ੈਵ ਪੈਥਿ ਤੇ ਕੁਮਿ ਮਧਲੇ ॥ ਆਵੰ ਲੁਕਿ ਸਿਰਲਿਕਿ
ਸਗੁੰ ਵਿਲੁਕਿ ਆਰਤ ॥ ਨਪੁਰਲ ਮਤੰਧ ਤਿਮਿਭੰਗ ਗਾਇਨ ॥ ਆਵੰ ਰਹੁ
ਮਧਮੇ ਨਵਿਰਸ ਮਧਮਧੀਤਲੇ ॥ ਨਵਰੁ ਮੇਰੁ ਨੇ ਪੈਠੁ ਪਧਤਿ ਪਿਸਮਲੇ ॥
ਤਮ੍ਹਾਧਿ ਕਲੁ ਮਧੁ ਆਪਤਤੁ ਮਤਮਰ ॥ ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ ਮੰਲੁ ਭੁਤਲੁ
ਮਤਮਮਾ ॥ ਤਮ੍ਹਾਧਿ ਚਪੁਧਤੁ ਤੇਰੁ ਤੇਰੁ ॥ ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ ॥ ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ
ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ ॥ ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ ॥ ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ ॥ ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ ॥ ਧੁਮਪੁ ਮਧਮਤੁ ॥

श्री
पं.

नः मरुवेडुंयडुंभगुनःभ/उः॥उभमभयप्रयउरगुनंभंप्रणमि
हुति॥म.स'नकंय'तिय'म'ह'न'दे'वरः॥पूह'हं'म'प'र'हं'म'यः
भु'उ'गु'न'वि'उः॥उभयेयभिरं'ह'न'र'ह'भिर'ह'प'ल'म'न॥मिवप
वभभउह'सि'ह'य'वि'र'य'उ'गे॥प'गी'ह'म'उ'उ'सि'ह'व'ह'ह'म'म'प'र'म
वि'स'उ'य'ह'वि'प'ह'ध'ह'प'ह'म'ह'डि'ये॥म'म'ह'म'म'भ'वे'ह'मु'ह'म'म
म'उ'ह'म'॥उ'ह'ल'न'क'उ'ह'य'ह'उ'ह'ठ'वे'मु'न'॥पू'य'~'क'ले'म'उ'ह'मि
ह'उ'~'म'भ'वि'उ'॥मि'ह'न'पि'गु'र'ठ'ज'क'म'~'भ'न'भ'गिर'॥क'उ'ह'

भचराप्रइगमन निगयंतव॥भपरीहप्रमउतंरमरभिकनिम
के॥भय विरेम०रुगेरमेयंपरमीहिउ॥सउउकषि०पउर
नंरुभउभभा॥७०प्रलपितंप्रइभभमयंसगभभा॥कुहमेवम
दमुहंमुहंविहंतमदगभा॥कुहेरवयउमुहंमुहंमेहंप्रभ
ति॥॥॥श्रीभुक्तउवम॥महुमेभठलंणममहुमेभठलत्रिय॥म
हुमेभठलंठवंभऊंरंणमरुवरग॥पष्टभिकगवंभउंहुंमहपिर
भहयभा॥भचभंमयमेवेमभचठवविवल्लितभा॥वद्ररइकिभऊं

वसयनेपलहउ॥ कुमारीभीभापेयकुडुयमेवैपलहउ॥ नरकुंर
 मवेकपं पीउं पिइलेपुडे॥ पिइमुं पिइवहमुं पिइ कुपंभदेस
 ग॥ महुमेभमयेमेवदिप्रगउकरमर॥ किंएपेयुयउं विउंभाएक
 मिदिमिस्तक॥ उकुभइनेमकुदियमिउं भिमइर॥ गंसुगउवम
 एउकुवगंसुपुदमुपमसुग॥ उकुइनेदेहभिषुहु उमेवकुभ
 मदगग॥ मरपुइप्रवहभियमयएवणरिउभा॥ यकुउंभवमेद
 मुंहेभवापिरणमिवभा॥ दंभभत्रगउंरगंउंएपुंरुडिकंभउ॥ उभि

म
 प
 ०

त्रियं भद्रं भवमिष्टिप्रसं सुठभा ॥ मीपुं तं ए यउ मीपुं मीपुं रि
अपचं दिउभा ॥ ७ मं वीए उभद्रं ॥ भवे भं य पिप्रद्रक ॥ १ ॥ ए यं प्रम
उतु मेउ सुप्रभं उभभा ॥ प्रयं कुं मे व मे वेन न द्वा भद्रं ए य ॥ २ ॥ मद्र
सुदं भं भं उ सुद्रं मे दं प रिउरा ॥ सुक मे व न्द्रं पं ड पी उं प पिप्रद्रसं भ
उल्लं भद्रं ए यं प्रे कुं दं भं भं म नि स ग के ॥ न कि पि पिउ ये कुं गी मे दं
कभं भु ये न वं ॥ ए उ सुद्रं भद्रं मे व सिव कं दं व डी व म ॥ भा प्रभा प्र
भद्रं न गं भवद्रं म न ले म ॥ द उ कुं भि भद्रं न गं भु उ व भद्रं मे म ॥

50877

तल्लुवायल

तल्लुवायल

50877 क

उडिमीव षलेउडेपरभ ऊभाः भभापुः ॥ ॥ श्रीमेहेभिदिमहेरभः ॥
 उँपंयग गदरममिमेकंरिविधं वदण गुदभ ॥ भवलनयं भचम
 रमभं ऊभं वमभुमरं पूपडे ॥ ॥ गदणिव मप्रवेकभर उक
 मवमर विरुतः ॥ सुणंरं गत उंसिष्टः पप्रुपुपरभ ऊभा ॥ सुणंरं कवि
 कंठिभं गुन किदिउमभिरुऊरभा ॥ भारभकिरवगुपुस्त्रिरमभनरुधि
 येगेर ॥ विणमजि वैरुवठरम ऊमउधुय भिं विठगेर ॥ मजिऊयप
 नडिः प श्रीमेडिपुठ विउं पूक ॥ ॥ उइ उविम भिं विमिडु उरकर

श्री

पं

१५

ॐ कुरु नमस्तु नमः ॥ कुरु नमस्तु नमः दीमि वरुण दीउप सुकवः ॥ ॥ ॥
नमः विणवल्नं कुरु पण्डित यमः भलः ॥ कुरु ॥ भगवतः ॥ यमुपप
कुरु पण्डित कुरु मीमं पि ॥ गच्छति गच्छति एतल उवदिमक ॥ विष्णु भुते भु
ति यति ॥ उवकुरु ॐ कुरु नमस्तु नमः यमः भलः ॥ ॥ ॥ ॥ गच्छति कुरु
पियमः ममि विष्णु भुः पुरु मते उवकुरु ॥ भगवतः ॥ यमुपप
नमः भगवते ॥ सुकवः भलगदि उवकुरु नमः विष्णु उवकुरु यमः ॥ मि वम
जि पण्डित भले नीउवकुरु उवकुरु पः ॥ कुरु पण्डित प्रलं भुः ॥ विष्णु उव

श्री.
प. म.
५५

उमदरुमा॥ ७ कभं विदुः विठगितभरुसजिपप्रिप्रलभा॥
भवविकल विदीरं सुकुं मां तुं लये मय विदीरभा॥ यदुत्तुं यभि वि
ठति धा पु म म कृणा गता॥ मय विसेय द्रुत्रगगगा भ मि सि दु म विठगि
ठति विठगै र स प र भ द रं म द ७ म पि म॥ विमल उर के र व रं ण उ द्रु ति
ठ ग म कृ त भ पि॥ म त्रुं तं म त उ पि म विठ जि भ ठ ति ए ग म उ त॥ मि रं म
जि भ म मि र त भी म र वि द्रु म यी म त द्रु म म भा॥ म की रं प प्ल रं वि ठ त्रु
ठ वे र ठ म य ति॥ म य त द्रु भ कृ प म द॥ ॥ ॥ प र भं य द्रु त द्रुं द द्रु ए म भ द म

रंभदेसभु॥देवीभायमजिःशुद्धवरंमिरभूउता॥भायपरिगुह
वमत्रैपैभालिरःप्रभन्दमुद्धवति॥कलकलनियतिरभुगविह
वमेरभभुः॥अपरैवकिप्तिमेवेरभेवभचइवेरभमि॥भायभ
दिउंककुपकुभनैरउरगुमिभभजुभा॥कभुकभिवउकुलकु
विरिविधुकित्रभपुठिर॥कणउउहुविमुसिंमिरभनैचाएय
र॥भापदत्तभेदभइरिस्रयभकुल्यर॥कभइग॥पूजिगषउक
रंभुक्तिभरेददुतिवुभयः॥मुइहुगद्विरभनपूवंवहीचिय

मरुतः॥ वरुणं लिपामपग्रपभंकमेद्वियलिपरः॥ एधंगरुहवि
 धयः प्रह्वैरिगवलिउरः॥ उमइपल्लकंतुल्लः॥ भद्वैरभ
 भद्वैगवः॥ एउउंननरमहुलेविधयभुहुउपल्लकतभा॥ अहेति
 रकः॥ पररः॥ भुणैभलिलंमपषीम॥ उधउरउतुलकलिकभरु
 उधउतिप्रचकः॥ भलः॥ पषीपदउयंमैउतुंमेदकवेन॥ परभारलंभ
 लउदभद्वंभयमिकल्लकभुलभा॥ वरुहंरिगुदकपंकैमकइयवे
 भिउंरु॥ अल्लरतिभिरयंगमेकभपिभंभरुवभभुनभा॥ गुरुग

दक ररवैमिहै ॥ ववहुत ॥ गमल ॥ उमकुरिकु गुहाप'कुहुः
यषेद्वारभापव ॥ उहुमवभुकेरः भवेपरभाद्वरः सभैः ॥ ॥ एरुत्र
दभिविप' ॥ विग'द्वेनएतिपि'कुतु ॥ एवद्वरभाइमउहु'रभाजेरउ
रभहुव ॥ गहुंर'भिकुए'द्वभु'मंजु'रुतेमभहु'पदउभा ॥ ॥ एतेम'र'गी'म'ति
इविरेकुं'स'कुतेरभा ॥ उहुहु'म'प'म'ध'वि'र'स'कु'ति'भ'र'भा'प'र'त'म' ॥
वल्'म'भ'मि'म'द्व'र'भ'म'पि'वि'र'भ'र'ल'रु'व'मि ॥ एउउ'म'र'कु'गं'य'रु
वे'ध'प्र'क'म'भ'र'उ'य' ॥ सु'द्व'र'ति'रि'जे'ध'पि'ठ'र'हु'र'द्व'मि'भ'र'य'भा ॥ ॥

डिभिरुपिडिभिरभिगंगुभुपविभदरयंभुए॥ यमरुद्रपिमे
 दप्र॥ यमरुद्रभविदुभा॥ देदप्र॥ विभच्चरणील्लररठपूषल्लयैगेर
 सुद्रस्वेधुयउमिडुएलेरएलकरडर॥ अल्लरविठरठभनयैगेरैडु
 धयेत्रिएद्रभा॥ डडिवरुभेदमिडुकीकंपुउरैडिपरभमिव॥॥॥भ
 विभिडिभंदरगुद्रुपुभुधुभिडिउभिगा॥ एगुद्विसेठमद्रुप्रमु
 एपूकमभदद्रुग॥ प्रल्लभुपुवभुल्लरपरडुउउयैरुडदभा॥ एल
 एप्रभयैकिमलिरीत्रियउयषगगरउलभा॥ उद्रमयविठडिठि

म
 म
 म

गपरमभूः परप्रैरुधः॥ एकभिन्नु एगगरेरणमवृषुठवतिरवृति
भलिनरितुक्रमेरेणीवः भापदत्तकेमएषः॥ सत्रेसत्रु ७४ यं द्रुषेद्रु
धुर्विभेदयतिठेमः अमः॥ उडुगलभतिठगवत्रपरः परमभूतभूत
ष॥ यमरद्रुपितुपुपवठभरंतद्रुगतिगदृष्ट॥ सुद्रुतरद्रुपंरु
तिंविमलयतिपरमभू॥ ७३ विरुभयगलकभभ्रलविष्केमरेरुतु
भू॥ कडुष्टतुगकलरएतुपरयेगिरेठवति॥ ७४ वीप्रुतिभयति
उयभिमंवेरुद्रुपतपतिता॥ सुद्रुतठवररलद्रुवतिदिभरुद्रुपति

श्री
पं. म.
७

मेधभा॥ रसरज्जलक एकं ठेगु गोरु सुते देभा॥ यवकेरु ग
मरुडं यम ठाति॥ उरुच परं सुकुं सा तुमठेगु डुकं मभं मकलभा
मभउं मडं मजे विमृभुति ठाचक्रपयभा॥ सक्ति डिक्क लपरिगभयै
गेरुमभुमपिपरभा॥ सिरुभरिपरभाजे विमृष्टाते देवदेवेरा॥ पर
रपिसपल्ल सक्तिभुमगं रूभरभेवरदिरपितुता॥ मृदु इयं विमिडुं
मभं रदिरा डल ठेरा॥ उडिमक्ति मरुयडुं रीदु येगेनव दयनेवः
मदभेव सुकुं पञ्च जिभदमरु रयक पमभुः॥ मयेवठ ति विमं

ॐ उव निमले प्य एमी नि॥ भड प्रै भगति भवं प्र विमि ड भि व भ
पुहुग॥ अद भे व रि सु क पः क ग म ग अ मि शि ठ व उ व मे दः॥ भ व भि न
द भे व भु ग भि ठ वे ष ठ भु क प भि व॥ सु भु मे र प्य ग मे दे दि य वा ले
उं धु क ड पि॥ भि कू उ ग भ उ कं शि ड र द भे व र म य भि॥ उं डे डे र रि क
ले ग लि उ प्र वि ल डु भे दं री भ य भ॥ भालि ले भालि लें डी गे हौ ग भि व
बु द्ध लि ल यी भु ग॥ उं डे उ डु भ भ्र दे ठ व र य मि व भ य डु भ ठि य उ
कः मे क क भे द भ्र चं वु द्ध व ले क य उः॥ क भ्र ठ ले सु ठ भ सु ठं भि व

ਸ੍ਰੀ
ਪ ਮ
੦੭

ਲੁਕੇਰ ਮਧਮ ਮੇਰ ॥ ਵਿਖ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥
ਲੋਕੇ ਹਰਿ ਮਨ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥ ਤੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ
ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥
ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥
ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥
ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥
ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥
ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ਮਧਮ ਮੇਰਿ ॥

भवदित्तु नि ए क प भा ॥ नैव स मे स तिय भू दृ ग भ ऊ र मि त र भि ॥ म ति
 कु रू ह म य ग ए प्र क रू प ग भ ऊ भ प रि प्र ल भा ॥ व द न उ र म ति वू उ प्र ल यै र
 य वि र म नै क क ड र भा ॥ म हू मि वि पि भ वे ए भ म ऊ नं मि व भ यं वि व हू उ ॥
 क ष भि व भं भ गी भू वि त्तु भू ऊ उः क व भ र ॥ ७ तिय जि नि ग पि भि डूं य
 कू रू रू नै र भ ड ल भा ॥ न भ भे र भ पि ड त्तु भू उ र दि रु लं लं के ॥ ७ उं
 भ क ल वि क ल्द यू ति व हू ठ व र भ भी र ॥ ७ ॥ सु रू हू ति धि मी पु ए रू हू
 ति रू यै रु व ति ॥ म म हू उ उ भं वी उ ये र के र मि कू उः ॥ य इ क म र नि व भी

विभसुतेभवकुतङ्क॥दयभेणमउभदभूष्टषऊमतेवृद्धपाउलहा
 पगभऊवित्रपष्टैउमपथैःभूमुतेविभल॥भदददुर्कपममवविध
 मठयलठभेदपविल्ली॥विभुइवधदुर्गणदउवविमयेमवमभतिः
 भदददुप्रहउिरयंवजःप्रठवतिविठममभेदउ॥मृकेउङ्कविनेपमु
 रकसंभूमुतंरभ॥मुतंरदेउतंरभृहतिगिऊमभुदिकिछिउ॥मम
 भुइमिनभउष्टुऊमुत्रिउमभूतिवधदुः॥धदिंसउङ्कउंविगूद
 मरगवदपविप्रलभा॥विणभट्टमयिमरीगंप्पलमिवउभृमेवगदभा

श्री
 पम
 ७

उद्गमपरमभद्रमदकैरवमिरमेवतंभ्रमजिह्वतभा॥ सुद्गमभ्रवरवि
मलकूटैःपरिप्रणयत्रमु॥ वदिरतुगपरिकल्परकैमभद्रगीएद्विष
यमद्ययत॥ उष्ट्रडिमीधुमंविष्णुलरेयडुक्कवडिदेभः॥ एवमभ्रभुभि
तंभ्रनरेवदिठगवविमिडुलि॥ भएडिउमेवएवंभद्रकल्परलिपित
भट्टकपडभा॥ कुरवरवलीभभभुंउडुक्कभकल्परभषद्गभा॥
भ्रतुडेपेपरिवडयडियडैभ्रएपउमिडः॥ भचंभभनमभ्रयडुष्टुडि
यज्ञभंविमंभ्रतुडे॥ विष्णुभ्रभ्रनरिगुंविगुदापडुडकल्परकलिभा

मवेडकिंतेर॥ उधकधुकभपषट्कउउडुलक॥ उधमलंतुग
दपः॥ उडुलक॥ धुऊनतेरपरभुधुपभदधुभा॥ उधकधुकप
एलीपषट्कउभंविमइभंकरग॥ डिधुहपिभऊडुडुचवलि
उठवडि॥ ऊमलउभमिलि कलिउविभलीठरःभभसूकेपणेः॥
भलिरोपिभलिभपणेविक्केमेधुधुपरभऊः॥ एवंससुनसभरवि
भलभिऊडिभंवेमरंतउत्रपणे॥ भऊभपएउगसुहभपठडिमिचऊ
पभा॥ मभुमिधुभए॥ विमलिउसूडुयदिउमयउभा॥ प्रपुभ

ਸ੍ਰੀ
ਪੰ
੩੩

ਸ੍ਵਪ੍ਰਵੇਸ਼ਜੇਰਕੰਮਤੁਬੁਭੁਮਾ॥ ਸਤੁ:ਕਾ~ ਸੁਤਮਿਨ੍ਦੁਪਾਪਮਰਮਿ
ਤਿਪਲ੍ਲਾ॥ ਅਯੁਰੰਮਦਕਗੀਰਵੰਗਸੁਤਿਗਤੰਮਦੇਤੁ॥ ਏਪਿਤਮਦੁਰੇਰਾ॥
ਵਿਦੁ:ਪਸੁਪਦਿਮੀਮਪਾਦਯ:ਸ਼ਗਤਿਮਾ॥ ਤੇਪਿਪਰਤਰਮਭੇਭੰਮੰਨ੍ਦੁਤਾ
ਮੰਗਤਿੰਧਤਿ॥ ਬ੍ਰਜਮਯੋਰਿਮਯਸੁਮਯੰਦੇਦਤੁਗਲਗ:ਪੁਨਖ:॥ ਤਨੁਲ੍ਲਾ
ਬੋਮਿਨ੍ਦੁਦੇਦਤੁਗਯੋਗਮਫੇਤਿ॥ ਸ੍ਵੰਲ੍ਲਾਦਰਮਯੋਬ੍ਰਮਨ੍ਦੁਮਯੁਧਾਸੁਗਾ
ਵਨਤੁ:॥ ਤਨੁਸਾਦਰਤਮਭੇਰਮੇਦਪਤੋਤੁਬਾਨੁਤਿ॥ ਏਯੇ~ ਗਮਨਾਤ੍ਰਵੰ
ਗਮਨਮਧਾਫੁਰਤੁਏ~॥ ਲੋਨੇਰਸਾਪਰਜੇਵਿਪਦਯਾਮਿਥੁਤੇਰਨ੍ਦੁ:॥

क० ग० म० मं० पू० भ० ध० ॥ भ० डि० र० म० स्व० भ० क० लि० ल० उ० के० ॥ भ० अ० भ०
 न० र० वि० मे० ध० ॥ म० गी० र० मं० भू० र० गी० नै० ग० ॥ ७० ॥ य० र० म० भू० भ० न० मे० रं० ग० गि० डि०
 य० म० पु० न० भ० ण० इ० भ० ह० डि० ॥ अ० डि० डी० व० म० डि० थ० उ० उ० म० र० वि० वि० प्र० भ० र० मि०
 व० ॥ भ० च० डी० लं० क० पं० भ० प० न० प० म० नू० मे० ॥ मं० म० य० उ० ॥ य० र० उ० डू० डू० गि० ल०
 ठे० प० ह० उ० मि० व० भ० यी० ठे० व० ॥ उ० भू० उ० प० र० भ० नू० भ० यी० ण० र० भ० ग० उ० भू० भ० ह० वि० म०
 डू० ॥ उ० भू० न० ल० नै० डू० क० मे० उ० भ० धि० भ० र० ॥ क० म० मि० उ० ॥ र्ये० ग० ह० म० म० भू० क०
 सि० उ० भ० मि० उ० नै० ग० क० व० न० प० डि० ॥ वि० म० डि० भू० र० व० म० डू० ह० ण० म० उ० गे० मि०

श्री
पम
१७

वीरवति॥ यमभक्तभानभेनं हृष्टप्रययोगमपिनम॥ भगलेन
कैगकगीभमिउभनभेनतेभमिगभा॥ ००॥ विधयेषुभचनैमःभ
चणवैः प्रष्टुतेयषागए॥ कुवनेषुभचनैवैदोगहृष्टप्रष्टुः
भद्रककलेरधनभनधं प्रययोगमहृष्ट॥ प्रष्टुतिमिहमभतंय
भद्रवतुतेरधनः॥ उभद्रमनेमिद्रिगतेयः कश्चिमेतिभमिव
इभा॥ उतिभद्रपमभजेयषातषाप्रयतनीयभा॥ उमभनिरव
प्रष्टुमिउभद्रपंष्टयतः पमवृद्ध॥ प्रमिगमेवमिवहं निराहमय

श्री
१२

परमपरमिवः प्रभा[॥]भा[॥]भवतुः भापलतइविपिंविधेएकहं
हमेउविदिउमविउविधेएभा[॥]प्रभा[॥]वृथिवभुरंणीविउंय
विउवउ[॥]उधमपिपरंणीवः भापवपरमेश्वरः^{॥॥॥}श्रीगुरुहरेभः
हंरभः परमहैरवय^{॥॥॥}मवविमउरवमैयंलिष्टउ^{॥॥॥}हंरभैभय
सकलकलगुभकलउरग[॥]हंभगीउनिगठमभद्रनरनरव
लिउ[॥]सुलभुभवमलभुनिगलभुनिगउ[॥]गु[॥]गु[॥]परिमूउ
विभूउमृजिभगरः[॥]रिक्तमैरिक्तलसुर्कैरिगरमभ्रहैरवः[॥]मुहं

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

॥ श्री ॥
॥ ७५ ॥

जं म्रुं तं यस्मै म्रुं ए न क म ॥ भि म्रुं तं त इ वे मं धं म्रुं न क मं ज ल ग म म ॥ भ
इ जं ग म नं मं व त इ ज ग द नं त व ॥ म म्रुं जं नै व ए न भि प म र क प्र म ॥ तः ॥
ह त व म्रि ग दं दे व ह भि म्रुं व द म म नैः ॥ के रं प ये र मे रे म म्रुं त वं व मु क
प त ॥ ये न त इ य त मं तं म म्रुं म य वि व ल्लि त म ॥ न म्रि म्रुं म्रुं ग ल म म्रुं
हं म्रि यं गि री ज लैः ॥ भ रि मि च द्र वि म्रुं मे रि म्रुं म्रुं ग ल म्रुं म्रुं
क षि तं प र मं म्रुं नं य म्रुं नं वि मि तं न त ॥ तं तं पि कं य म्रुं म्रुं तिव म्रुं म्रुं म्रुं
न य क ॥ नि म्रुं म्रुं व दं दे व क म्रुं म्रुं म्रुं म्रुं गि र ॥ प्र मं म्रुं म्रुं म्रुं म्रुं

हुरैपयेरभसुते॥ सुयभगदिउं सुरंप्रभयभविस्लितभा॥
 एर॥ एररिभुं जं येगउकूमिदिउभा॥ सुयसु क्रियदीरं रि
 प्रियंतीरुवस्लितभा॥ प्रभत्रद्र एगत्रसवरमैउकुकुरकुल॥ श्रीकै
 स्वउवम॥ मजशेकगुठवेरयसुमुपरमंपरभा नैरउकूमिउं
 कुरुगुरैसुसुभुवटपि॥ गलमसुभुभयभुहद्रिनमेमुषैवदि॥
 गैपिउंभवमभु॥ प॥ प॥ भैयषमिपी॥ लीनैरउगिउं॥ सुसु
 सुतेयगलदउ॥ उहृकिरभनमेयं सुसुतेरमसुसुते॥ यषभलि

ਸ੍ਰੀ:

ਲਮਏਤਸਰਲੇਰਿਸਤੇਰਲਾਗੇ॥ ਅਲਿਕਤਤਰੰਗਿਰਹਤਤੀਰਪੈਪਹੁਤੇ
ਤਤੁਲਿਵੰਮਚਗਤੰਤੋਮਾਠਮੰਧਥਾਭਿਤਮਾ॥ ਤਿਲੇਤੈਲੰਦੂਮੇਲੁਧਾਮੋਖੋਪੁ
ਤਲਮਏਗਮਾ॥ ਵੰਸੇਲੀਯਲਠਲਕੇਸਿਧਾਵਮੇਸਿਧੇਦਥਾ॥ ਵਿਸਿਤੁ
ਪਛਪਛਾਯੁੰਵਧੁਤੈਰੰਰੁਸੁਤੇ॥ ਵਿਮਲੇਵਰਿਮਏਤਮੇਤੁਵੰਧੁਮੰਭਿ
ਤਮਾ॥ ਨਤਮੁਕੁਪੰਰੁਸੁਤੇਤਸੁਭਾਸਪਰਿਸਲਿਤਮਾ॥ ਤੁਰੰਗੀਰੰਤੁਰੰਗੇਸੁ
ਲੰਸਾਤੁਰਕੁਲੁਰੇ॥ ਧਰੁਮੰਭੁਮਿਠਗੋਤਸੁਕੁਮੇਵਲੁਮਾਪਰਮਾ॥ ਤਤੁਕੁ
ਮਰਮੀਠਵੰਸਿਵੰਸਾਤੁੰਗਾਤੁਤਿਮਾ॥ ਸ੍ਰੀਯੇਤੁਰੰਗਾ॥॥ ਸਤੁਕੁਤੰਮਦਮੇ

॥ਸ੍ਰੀ॥

॥੭੫॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ऊभप्रकरेष्टुष्टैप्रैमाउंपवनैभद॥मसवयभवमनिमसभादम
 कनिम॥प्रडेकंडुभदभूदप्र॥प्रहृमुणरल्लय॥मसभादभूद
 भंभ्रिउब्रुलभयग॥वयवकंभपरिहृणउडुवकंउवेवम॥भइएल
 भदमनंक्रियाएलंपरिहृण॥मभूएलभनेकंउडुणभचंपलल
 वग॥धदंभैरुमणगंडिलहंभैभपल्लकभा॥लदभूभंपरिहृण॥
 प्पिक्कगंडवेवम॥दुभभुडिभदभू॥रदिवंभंपरिहृण॥वभि
 पीदेरकिंकदंभैरुभैरकिंकलभा॥गदभूभैरुवमभैरुलित्रभंपी

श्री

३०

इनेनउ॥नउइठलभिभूरंकेवलंवरुइकभ॥योगिनीभेलकरु
उधंभुकमिउभा॥विभुरगभमैमउभमगलिंमिमइकग॥उइक
उभयभैभभरुंएपावेभित्तभा॥उमरुंएगहुभिचुहुउंकवि
उंभय॥उइपिकंउपरउयइभभित्तएयउ॥महुंरुंरम'रुंमिच
रुंरुंमैवदि॥सुनरुंमिउभ'रुंभषपुडवभंभित्तभा॥मगीचिचं
रमग'हंभहपीभममिचभा॥वहीचिचविनिमउंक'ल'क'लवि
वलिउभा॥मभरुंमैवदिमह'रुंमविउ॥मपुभ'ल'पुभ'य'म

ਭਗਤ ਕੀਰਤੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ
ਭਗਤ ਕੀਰਤੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ
ਭਗਤ ਕੀਰਤੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ
ਭਗਤ ਕੀਰਤੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ
ਭਗਤ ਕੀਰਤੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ
ਭਗਤ ਕੀਰਤੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ
ਭਗਤ ਕੀਰਤੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

गुंमैधपवम॥नभहुंरगएवपिनउभैकुभिरेवम॥नवलंवल्लएती
गेयंवेमनमिभ॥नउकुंनदिभएरंरिचणमविवल्लितभा॥
मभंअदमिहदुदुतमनभपिधिये॥नवेगपवरेमउउकुभिउउरिह
गभा॥नयहरेमनगेउंणमणमविवल्लितभा॥नकुलंकमकुंमनदीनभ
उभैभुउभा॥नरीएवरेवहंवएधपंरमविहउ॥नभंरभयनंवपिनमी
अंरुअभेवम॥गभगभैउलिपेउमदुमिउप्रवदनभा॥कुउंकुउंउव
कुउभनरुपमवल्लितभा॥भूभाएरनरिउंविधयनरुप्रधकभ॥

श्री
१७

विठ्ठल नमः गद नं विमल नमः से उभ ॥ हे भ नमः र मे म उं रं ण नमः प रि
भ्र उभ ॥ विग नमः प मं स उं रि च ॥ विषय उ क म ॥ हे भ मं हे भ म
हे भ म हे भ म भ व म ॥ प ल हे भ म कं मे व भ न मिं प्र उ भ व य म ॥ उ
भ मि भि भु उ म उ ये ए र ति भ उ उ वि ग ॥ भ ए व भ न ए ति म उ म ह्ने रु इ
ल ह्ने ये ॥ क्रिय ल्ल रं उ वे क म म ह्ने कि चं प्र व उ ते ॥ उ भ म म व प्र य उ न
भ उ मं ल्ल प रि उ ए उ ॥ उ उ ए व ग उं पि उं उ इ व म म ग क ति ॥ क ह ल
य क ति रि ल म म व भ पि लं ए ग उ ॥ ली य उ उ इ वे भु रं प र भु इ म म

गभभा॥भभा गभै उलिष्टे उमृद्विचप्रवदकभा॥सुमैडहपिलंभ
वपञ्जद्विभिः प्रवडते॥पनभुइवलीयतेमपुमभभुतेपडिः॥मिवभु
अयतेपिपुंमिवेपिपुंपरचरणेड॥मजिहोठकवेदिभभहोठकुटक
पि॥भा॥येभवतीद्वियगहभचवृपीपरपरः॥उभ्रकजिचिनिभ्रुत
भककमकुर्वणी॥मिवमजिपरिहृगत्रपिपुंपिपुववृरभा॥भचंप्र
लीयतेमुचेएगडुवरणभभा॥यमलीयतिभवेइउमलिइभम
हउभा॥भवेलिइमिममजिःभ्रुवंचकभप्रलणभा॥यमहकइहिउ

सुभभा॥ एते भल हरे गेऊ चं रिडं प्रमीपक॥ पसुते लिप्पुते रिडं
सुयते रभते भुमेत॥ पल्लैते मेव उअले जल लिप्पे पुति भित्त॥ भंभं
रजंत वभीरिअ यम सुत वभलभा॥ सुरुले धं मिरे ले भये सा तुमा
सुभतुते॥ वि ए मि ले क पद तुं गे व पसु व भ ह्य य॥ उइं ऊपर भं भदा
इं क भे वि मे वत॥ व प्र नं मउ व र भ म म नं प रि भ ह्य य॥ अद न रं र
भ न रं भ भ न र भ म न त॥ ह न रं र ए न रं र कु म न रं र क रं र भ॥ सु
द हरे रं व न रं भं म म भं उ ए र ह्य य भ॥ प्र नं प रे सु गी म जि र प रे सु ए गी

श्री.
३०

नी॥ भवते मेव त भाने वृद्ध हृषीकेश कीर्तिः॥ सकल कृमल स्रष्टुं
श्रुत उपर विदुः॥ पररेय भगवत् स्रष्टुं स्रष्टुं भूमः भूमः॥ भभरेभ
भनर भभपरे उम्मी भिन्नु॥ हरे उ ह ह की मेरी रगे उ उ ए गी पर॥
कुम्भे भद्रे मिता मतिः न कर क म र दिनी॥ मेव मे उ म द हरी निहृ
पणर ह्य॥ म म म ति भिन्नु निहृ व य भये ए भ मिता॥ न कि म रे भि
उ स्रष्टुः के हरे भ भु ति वृ भ ग॥ भये उ के र व भ द हरे भ भ भ ए ग सु
नः निर भयः परं सु हरे भि भये विर ए उ॥ गुम प म्भ म म कु ह क ल

महर्षि विष्णुः॥ गङ्गा भवनमुक्तं पिङ्गं विनोदये विष्णु भुजे॥ भवनदि
भयं मे वंरो भवति वलीकृतमा॥ भद्र भूलङ्गकैः पुनः भिक्षु मज्जि प्रसी
पकमा॥ अरु सुं डवन पणं पिङ्गं पिङ्गं वरिष्ठितमा॥ अरेक विष्णु इये
एकै मे वै निगल्लरः॥ नमः इतप भाल हरे नमै कय म भनैः॥ गुरुवत्
प्रयिगेनल कृते भवते मितामा॥ अतुष म भुके एीरं रु भुते नमल ह
ते॥ भोप मे मं पं मं भुं भ भुं मं भ निमल मा॥ आप गं भ रय कृ कृ म
कृ कृ व विते नम॥ लकृते निमलं कं भ म म २ विवलितामा॥ य मितामे

श्री.
॥३९॥

ठवे सुभु दमि ए म न विहते ॥ उम प्र ए गु न भु न व इ इ इ इ न वे य ये ग ॥
प्रह हं म न ये मे वं य भु वि सं ह मि भि उ भा ॥ ठ व प्र च प्र ये गे न ए म् ए प ड
वा ये न ड ॥ वि क ल्प सं भ ने मे वि भ ए कं भु प ये सु नः ॥ भ व व भुं मि वं
सु ड के न भ ये उ व नु न ग ॥ श्री मे व व म ॥ प्र भ त्र अ य मि हं मे भ ए वि ह
भु र न य क ॥ नि न य पि वि दी न अ क्रि य क र व ल्ति उ भा ॥ उ प यं क
न भ जे ग द ये कु ल ठे व वः ॥ भ नु मे द ग उं मि उं म ड लं म प लं उ व ॥
ठ वे त्रि। स ल उ ये न उ प मे सं व मे द मे ॥ ये न वि ह्नु उ भ डे ठ व उ मि

ब्रह्मसयः ॥ श्रीकैरवउरम ॥ नरकैरमवाभऊनैरवकुविभैमयेग ॥
यमिवरुद्रकं विचंतमभैहंप्रपहुते ॥ निमृऊभ्रववठैहः भुतउयै
रभैसुरः ॥ निमृऊभ्रववठैहः भुतउयैरभैसुरः ॥ रभैमैभुविकले
नरमरतुंमिवभृदि ॥ मिवमज्जिमुषामाग्राफीठवेनभुत
मि ॥ रतुंमैवनउमृमि विरुद्राभ्रउमिव ॥ रतुंमैहभयामिऊ
त्रितुयमठठकभा ॥ मृकागंममेवमिनरतुनमभृते ॥
माभुमाभुभयामिऊगियिउंयगभाऊत ॥ विठ्ठीधिकभद

श्री.

३३

रे सुनरक मिठयावदा॥ भभिभंगदा ॥ ७ ॥ अयक विउउरभरुमि॥ प्रवे
वकविउं भवं भवं भवं गउं मिठभा॥ उवकककठवेदे विषावउंडुरवि
रुते॥ रिमिउभिदुगउडुविमरेगुवनैयषा॥ ववुंनुभेडियभंल्लभम
ल्लरउविष्टल॥ भवंमिठभयेठडे धेरपैष्टरकीडिउभा॥ यामुमे
कअनिक्कयसुडुसुडुपमडयभा॥ भममिठभयेकमनत्रियपंर
उझिवः॥ मिवंत्रियत्रियठेमभकडेसभमनप्या॥ येनयेनदिभाजे
~ यामुमेउममेवर॥ उेरउेरैवभाजे ~ रभिववुंमिठइकभा॥

ॐ ति श्री परमेश्वर भूत भि निरुडर व मे द्वि जी ये मः ॥ १ ॥
 श्री मेष्टु व मः ॥ ॥ भूत व म भूत मे व द त्व उ पर भूत मः ॥ येन विष्णु उ म इ
 ॥ व द य ये निरुडर मः ॥ श्री भूत व उ व मः ॥ ॥ म भूत मे विप रं गु द य द
 रैर पि द ल ठ मः ॥ उ म दं मं प्र व ह भि म भूत मे क भूत पि ये ॥ व द म भूत प्र
 ये गे र म भूत म भूत ॥ ॥ व द भि उ म ॥ व द व म भूत म भूत पर भूत वि रै उ तः ॥
 व द म भूत प मे मं म श्री भूत वि द्धि उ म य ॥ य म भूत क कि नं मे वं र म भूत
 भि ज ल उ त के ॥ उ म वि वि प म भूत नि द्धि उ नि ए ग इ ये ॥ म क की

ਪਰਮੇਸ਼ਵਰ ਸ੍ਵਰੂਪ ਮਨੁ ਤਨੀ ਮਤਿ ॥ ਯੋ ਮੋ ਕੁ ਮੇ ਸ੍ਵਰੇਸ਼ਵਰ ਤਨੁ ਤਿਲਕ ਕਰ
 ~ਮਾ ॥ ਤੇਰ ਕੁ ਪੇਸ਼ ਯੰਨੁ ਖੁ ਮਨੁ ਪੇਸ਼ ਜੇ ਤ ॥ ੧ ॥ ਮਨੁ ਮਨੁ ਯੋਗਿ ਸਨੁ ਕੰ
 ਏਕੋ ਏਪਿ ਰਿਚੁ ਤਮਾ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮੇਵੁ ਰਾਮਾ ॥ ਯੋ ਕੇ ਮੇਵੇ ਰਾਮਾ ਤੇ ਮਿ ਕਿੰ ਵ ਭੁ ਭੁ
 ਕਰ ~ਮਾ ॥ ਸਾ ਭੁਨੇ ਮੰ ਕਿ ਮਨੁ ਵੈ ਕਿੰ ਵ ਭੁ ਤ ਵਿਧਿ ਮਮਾ ॥ ਅਭੁ ਤੰ ਕੁ ਥਿ
 ਤੰ ਮਚੰ ਭੁ ਤੰ ਰਾ ਮਿ ਮਨੁ ਪ੍ਰਨੇ ॥ ਸ੍ਰੀ ਨੈਰਵ ਤੁ ਰਾਮਾ ॥ ਨ ਵਿਨ ਭੁ ਤੰ ਤਾ ਰੇ ਭੁ ਭੁ
 ਤਮ ਪਲ ਭੁ ਤੇ ॥ ਯਥਾ ਤਿਲਾ ਭੁ ਰੇ ਗੀਣਾ ਅਭੁ ਮੁ ਸੁ ਤਿਤ ਮਿਲਾ ਗਾ ॥ ਮਨੀ
 ਫਿ ਤੰ ਰਿਨ ਗੇ ਰਾ ਮਥੁ ਣਾ ਮੁ ਸੁ ਤੇ ਪ੍ਰਿਯੇ ॥ ਅਨੰਤ ਮਨੁ ਤਥਾ ਸਾ ਪਾ ਪੰ ਪੰ

॥ ਸ੍ਰੀ ॥
 ॥ ੩੨ ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री
३५

यंगुमभ्ररुद्रुत्रिह्रुत्रिलहः॥ग॥उदेवकलेयऊधपमभऊ
यषापगः॥पूलीयडिउमहभकुदवडिहयउगे॥भउधयभठम
षहिपेङ्गलकः॥वद्रुग॥पडिउपूलययडिउकुकुटेमिहद्रकभा
यषणभेङ्गललेदंविह्रुलिष्विउंभदग॥णभरिदभकलेउऊभ
क्रीउलउंवृणेउ॥उवृत्रिगभयेभ्रनयइऊपंनविह्रुउ॥माउवृरमि
पीयवृकुमीपुभुइलीयउ॥ठभ्रकीएभ्रभुउपवकैरैवमृमुउ
मेषभ्रउद्रियऊषरैपलविपूमृमुउ॥उवृकिवंभभगभ्रनकिद्रि

श्रीः

मपलहते॥ ककु कले उवा लहं पि रुभु भुनम सुते॥ विलीन वा डि रि
भुते निरुप पि व स न ग॥ भवं हं भ ल वेली नं र कि छि म पि मि त्र ये उ॥
र कि छि मि त्र न र्दे दि न भ ह डि न र सु ति॥ हं भ क रं भ म ठ वे उ रु व रु व
र म न भ॥ म द ह्म र व म ह्नी न रि ग र ग ग नै य व॥ भ क म्म र डि य क्क म्म
रु उ ग ग नै य व॥ न उ भु ले प वि रु ते ह्नी न मि उ वि उ भु म॥ क र भ ल
क र म्म जि र्दे ह्म भ प ल ह ते॥ भ कि म्म जि र्दे म्म जि र्दे भ जि पि रु प उ न भ
रु व्दे रु ति प रि ह्म म्म म्म थि न रं उ व॥ म्म रु ठे म्म न रु व्दे उ रु उं भ रु ते

श्री-
७०

भद्र॥ लि सु ति उ र उ ड्डु ल्ल के व लं क य स भ न भ ॥ अ ह्ने स क रे वि
ल्ल रं रि टं भ व ग उं मि व भ ॥ श्री क र वृ व म ॥ ह्मि उ ग द न मे व ह्मि ति रि
ड म रं व म ॥ ह्मि क मं ह्मि य मं जं भू न ह्मि मे न किं स व ॥ पि ड भू प म क
पे ॥ क प गी उ र किं प्र क ॥ ए उ ह्म मं स च प्ये र भ प्ये र स नं व म ॥ श्री
क र उ र म ॥ भ द ग र्जि य उं भू नं भ द भ य वि मे दि उ म ॥ के डि ली
ज ल क क डं क म्भू र व ली भि उ म ॥ सु र क्म भू म्भू नं य व स्ने क
ज ल क्म वे उ ॥ भ सु भ नं उ उं भू नं न य जि रि ति रि स्र य म ॥ प म भू ह्म य

मेविश्रुकेमउगलिनभा॥भइररुमयंतसु॥७८॥सजिगणिभि
उभा॥७८॥सजिसिवेलीरपमंतभइरिहएग॥कपभभीसंगंत
इंभवलभेमिवंप्रिय॥सकपंभवतःकीलंगभगभविवलितभा॥
रिहउंभवनिभ्रभगोमगपमेभिउभा॥सउवकविउंभानंयवदि
इंभलहाभा॥रभेसगुइकेमेदेकभ्रपिइंपमंरुमभा॥यवदि
इउमेदेदीउवदिहलहाभा॥प्रलीरेमुउभाजे॥ऊउमेव
ऊउव्रिया॥उवडेमउरवल यवउडुंरविभ्रति॥विमिउंभिदगउडुं

॥ श्री ॥
॥ ३१ ॥

भवेवल् द्विष्टयः ॥ भ्रुति कुपठवे सुविभ्रं स्रग्भैरवभा ॥ ३० ॥
कलत्रिभुं वं भैदं भयउषा प्रिये ॥ वहुमिभुभयकुश्री भभैगेरुसू
श्रीरुभा ॥ सत्त्वभंदरठगवभ्रं कैरवलये ॥ पंलीलउषा
भभैषंयिभ्रभगविः ॥ सएरंडरषेमिहं विभ्रं कलकैरवभा ॥
यकिष्ठिभ्रभभ्रुं उं उं चं मिभ्रं मिभ्रं ॥ स्रभ्रविगूदमजि
दुकित्रप्रवदिनी ॥ उर्ये श्रीरुभ्रयभं भ्रिउिभ्ररइये ॥ कभ्रभ्र
ममिभ्रभ्रमिभ्रियेभ्रिउयउं ॥ पभ्रभ्रभ्रउरिनीभ्रउपभ्रक

भालिक॥ उभितपपुगइ सुनररुपं विपपुते॥ नररुं ठमभरुं
ठमभरुं रेकमः॥ भरुदिये वडरभके एी के एिरभरुय॥ पपु
रुउरुं विपुं प्रपै पपुभली यते॥ पपुउरुं रुदये विपुं रपपुगदिउं
कामिग॥ पपुगइरगमिउं विपिउं रुवभगरभा॥ एकपुवउं भव
भ्रीप्रभाभिरुदयेनय॥ उपपयं विविपं रुवपवडरुवभरुडी॥ इ
मडीरुनमीनरुउरुं रुं रुं गेमरभा॥ भरुमं रे वरुपुउपपुरुउ
रुियभरु॥ वरुइरुइरभरुपुपिउपै इरुठमिनि॥ भरुमरुदि

श्रीः

उमैव हउरै प्रकयेरिएः॥ कदां वदोरभा मसुं उयं उयेउ वैरम॥ गिरिकु
एगिरेकु एंभेक डपंन मसुं उ॥ रमीर सु रभा मसुं पधे पधे उष विरुः॥
पवंपल्ल विरं प्रलेमि व मजि रणि धिउ भा॥ रभउ एभउ मे रं भं मउ वम
उरिय भा॥ कमि सु भयं पि भं कमि विर उं गउ भा॥ कमि सु पि भ
यं रुं कमि सु यय व यरु भा॥ कमि सु श्री लं य वि भ मी लं कं
मि ड्मि उ भा॥ कमि हि सु पं ऊपी कमि सु त्त विरु पि भा॥ कमि सु यः
कमि सु एः कमि सु दी म व रः॥ कमि सु वि म मी उ ए वु मि म र ए

श्रीः

३५

विउः॥ प वंरद्र विपंमिडं विमिडं कुड पल्लरभा॥ पल्लरुड विठगेरन्त्रवि
ठगेरगेडभा॥ येरल्लुडं भयेगी केंद्रुड प सुतल्लर॥ सुड सुडंर वभुडं
वभुडं मैकडः भिउः॥ एकडः भं व ठ व र भं कड थैरभा ऊडः॥ एकडं र
पमवीए के मे व उ भ पडिः॥ भव एकडं भं भूयीर सुतिर मर सुति॥ वर
भवभयं ठं रल्लुडं रं वि सु य ड क भ॥ रं यं रल्लुडं ठं वे सुतिर रं व ठ व र
नू न भा॥ न य रल्लुडं न म ड डं रं गी ऊ ग भ र न म॥ न म वे र सु थ डे न र म र दि
ए ल उ र॥ र म र सु ड उ ड डं रं म म सु य ने न र॥ निर द रं रं भ डि

पिं ५

श्रीः

॥ श्री ॥

॥ ७७ ॥

मृचभजिचिछपउरे॥ निरयभभयंमिडुंविनडेगंभमजुन॥ च
धुगीजभयंपिडंपी० धुकभभविउभा॥ भदेदउपपी० डेरधुधु
मिडुंजलभा॥ नगधुकगूदेदजंमिगधुकविजुधिविउभा॥ वभमहि
मयभंजलकेलउरलिभा॥ डिहिंमकेहिमेवधुधुभवलिर
लीजउभा॥ भवंदेदउरेलीरंयधुधुप्रचममिउभा॥ धलिइंयएय
विहभविकरे॥ योगविउ॥ यंयंठंगरउंमिडुंउंउंभमभिमथयेउ॥
उधुउधुगठवेरमउंमउंभमभमरेउ॥ उधुउधुगमिडुंउंउंभमभिमथयेउ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री.
२०

लेम सुतेम हरेकण॥सिव इक भिमं भवं सिव मेव रसा तुष॥उभुठे
मंकषं मेव म सुतेक वर इयभा॥नर इंगद रंर सभ इउउउ म मरग
रगदं विगदं कुरं क जिच म ए मे वर॥भते ति भंल्लक भैवं कं व नि
ली वउंगउ॥भइ भंदर क भैवं कं व भइ भु य पिकः॥केव भे प्रये व
षक भु मे भरं प्रवभा॥निउं मि उ भु मे व भु क भु व मिः व ये क वे उ॥
प्रकीठ व इ क व भु विरु सु व इ क व र॥श्री के व उ व म॥परे सु ते उ
भि ये र उ भु ग सु त्रिये भउः॥भ मे व उ भु व गी ज उ ह य उ व भं भिउः

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

सी.
२०

मंल्लउभमिदिअंप्रपहजे॥पिअंल्लुपिलविंगर्विभिअंमंविसेग
मद्वरुऊपनिहभुहंभठभकुलउविग॥मकुलभभमचइरुभ
उवमरुसुते॥विहउंयेनवल्लउंउंनल्लउंउंठेरवभा॥यषप्रभवलि
प्रउंकीलंरुसुचनठउगे॥निरुडिदिलीरभउद्वमेदीनठेपमः
मंप्रल्लउंयेभमिदिअंभेकइवउभमिउभा॥मनैसुनैसुउभुवपरि
मेधप्रैवउते॥नएलंठहउकिप्रिउद्वमेदीकुलउगे॥मिद्वइवि
ठवंभचंल्लनभल्लनगोसरभा॥निरलभपमसुउभचपरभविवलि

उ॥ भुक्तिरेपरमेष्ठिभिमिरमजिलयउ॥ विउभविधयतीउएन
भहुविवलिउ॥ उइयतिउंरिसंयकिप्रियइठैतिकभा॥ विधु
पद्मभलेपकुंभिरंमैवभलंप्रवभा॥ एकएवइइये॥ ठैव'भ'
भुम'भुकभा॥ ऐमरीकुमरीमैवमैमरीम'किरीउषा॥ किइर'ग'
शत्रुच'र'ध'ये'प्र'भ'भुष'॥ उ'ष'ण'भुष'उ'र'सुप'प'ल'द'सुभ'भुवः
कित्रा'कु'पि'स'म'सु'त्रि'मि'की'ए'भ'गी'भ'पः॥ प'द'कु'उ'भ'द'कु'उ'भु'इ
ध'दि'स'भ'इ'य'॥ उ'ष'म'भु'उ'र'म'उ'उ'इ'उ'इ'उ'र'लि'र'भा॥ अ'ल'ण'उ'भ

श्री-
२७

षाणीणं मुकुटं मेव प्रमुकुटतः॥ परं भंभगविकवे भङ्गुतं ह्युभयभद॥ वि
मगभिनपककी कममिमुकुटरूपतः॥ परं भचभयं स दंत इभयेइ
यभद॥ कममिमीरुमं विचंरुमुते परभाजिनि॥ भचंभभगमं प्येगं न
जिभङ्गभभगभा॥ इमीयहोठभाइ ~ मेडिउं विचगेलकभा॥ यम
प्लीयतेइहं विचैरभदठमिनि॥ यममुकुटं रिगलभं नकिछिमं पि
मिउयेग॥ नकिछिचिउरमे विनरमुतिरभदुति॥ उइभुनेरमरमे
रमजिचिचिभेवम॥ नैपलत्रिउमैरभिरठवपरिकलुन॥ केवलं मु

नृप नमं द्वितीयेन भिरिस्त्रयः॥ पउदूदभंक विउं मेव नरवगीधितभा
 मुद्रुधुर्वेसिउं प्रचभभगं नर्वेणके॥॥ श्रीमेष्टुवम॥॥ कष्टमीदाठ
 वेमेवकष्टुवमैणयेडुलभा॥ भवइभंभिउं दीसकसेष्टुवमभिह
 ति॥ पमवडंरमेवभिरिभभयमगलदा॥ भा॥ गुनमिष्टुवमे॥ पकिं
 कदंकिंप्रयेणनभा॥ इतिभभष्टुवेमेवहमिउदंडमहूर॥ श्रीनैगव
 उवम॥॥॥ विकल्ददा॥ मिउष्टुकिंमीदाकष्टुकर॥ भा॥ भविक
 लष्टुणउंस्त्रणइष्टुभभलष्टुम॥ रणरप्रमिकमीदाउष्टुववमि

सकभा॥ ठवभेउम संरुइ यम संक विउंउव॥ एरं प्रएमिकं ए
 धं देभं उंउं मभेवम॥ सुद्धनंकरं ~ भूरभमनइ प्रमचयेग॥
 यच्चरं रुवते भेइ भवगोदि विरभयः॥ एरप्रएमिकं उं सुभचंभ
 इल्लभभवरभा॥ भइल्लरदिउं गीइ भगीइ गीइउं ठवेउ॥ ठव
 ठवविनिमं जंभऊमारे ~ भइउंउ॥ यजिगुमं परं माउं एरलि
 सुत्रिमं उष॥ सुत्रिषमं सुपं डिहं वेमगचेधगविउ॥ सुत्रिष
 निभरइइल्लेकः॥ लि सुत्रिमं उष॥ सुत्रिषं हेपमे संउरु त्रियज

॥ श्री ॥

॥ ३ ॥

ॐ
भुषट्टषा॥मृट्टषाठवरमंरुंरुदमंरुंउमट्टषा॥मृट्टषापरमम
किंलैकक्रिष्टुतिमट्टषा॥वग्वितउंममंभुकरंरुंएककृमभीमम
नउकंडइ~मिहृदभु~मंपरमंमिवभा॥मृकैउंमगतेनिहंरुंउलि
इममोउरभा॥णउमंरुमयेलिइंयंयं~रुंउदेमएभा॥रमैवमभु
यंमेविभालिणंभुएकमिएभा॥नमइऊरुतेइ~मैउट्टभुममे
उरभा॥भवषाठवयेलिइंयंभुलीरंमरमरभा॥मृकैउठवंमेवेमि
इ~मंभचउंठवेउ॥एमएमउगहुमविहृरंलठतेभुएभा॥

श्री.
२८

विन विस्तर भे मरु सुक ॥ २ ॥ पिउं यम ॥ उम भे लकते भे ह भट्ट वरु
भ ॥ २ ॥ सुयभा ॥ मरु उं भ पये त्रिहं भ वरु भुं सिव इक भा ॥ मरु उं पर
भ पम मरु उं पर भ पम भा ॥ मरु उं भ भिगं भे ह भ मरु उं भे गल ह भा ॥
मरु उं भे प मे सं उ मरु उं भे उल ए उल भा ॥ मरु उं भे उ विणित्र सिप्र विमे
क भ वे प मे ॥ भ भे भ च ग उं सु उं क ह उ व सु भ प म भा ॥ य ह पि म म
मरु उं भे उं व मे उल र ॥ १ ॥ गुरु भ गिं उ व भ उं वि क ग य रि क ल र ॥
प धं भ ये र म मरु उं भे उ क भु भु नि ल य भा ॥ य भ म र भ नि भे ल ह उ

पमेम विरिगि॥ न भपदहठरेन एक हं मेवरकण॥ ह भविप
 मवभ्रचेयेमते गुमरल्गः॥ ह भविह्लरभमिगुचल्लरपमं
 भेदिउ॥ नल्लरभुपगंभुनयेनभक्तिप्रवन्नभा॥ केमिह्लमविदंभे
 भेकेमिह्लवप्रल्लिरभा॥ केमिह्लिहंउष'न'मेकेमिह्लक्तिपरभ्रभउ
 भभा॥ केमिह्लक्तिपरनं'प'रंठ'वंठ'ए'विउ॥ पल्लमुटइकंकेमि
 ह्लमिह्लल्लय'मिक'भा॥ केमिह्लैवंउष'मेवंकेमिह्लै'तिभु'गेल'क'भा
 धहुमिरदिउंकेमिह्ल'निक'गंउष'प्रिय॥ केमिह्लइकल'विह्ल॥
 परे

श्री
२०

रभंकेमिक्केमिअउह्वरंथरभा॥यस्रमालभयंकेमिक्केमिक्कुल
रल'उकभा॥देल'मेलभयंकेमिक्केमिक्किडिलह'भा॥भो'ध॥
पुऊपि'केमिक्केमिउद'वलभुरभा॥भगु'निनु'केमिक्केमि
अवरभत्रिठभा॥भन'कन'अउ'केमिक्केमिअेव'अन'भयभा॥निह
रअंउष'केमिक्केमिअुउ'उऊपि'भा॥केमिअूठ'रविअुउंउ'उंउ'उ
धभंभिउभा॥केमिअ'ग'य'विअुर'ए'केमिअू'र'उि'भा॥केमिअू
व'भमे'र'अ'ए'उिऊ'पंभन'उ'रभा॥केमिअू'अंउ'ष'ए'यंकेमिअि'ए

रभेवम॥ केमि सुतुं उष सुइ केमि विव ॥ भेवम॥ पद पउ भुष
 केमि डि क ल प विव इ न भा॥ विट न रं उष केमि केमि सु वरिय भि
 न भा॥ केमि सु ॥ वमि इ ज केमि सु इ ह मं भि उ भा॥ केमि म भी डि न
 भी डि केमि सु ठ य वलि उ भा॥ पं म सं मे म सं केमि केमि सु र म उ भि
 म॥ केमि डि उ भुष म ह्री केमि ह इ ह भेवम॥ म उ उ उ भ कं केमि॥
 केमि सु सु विवे क ए भा॥ उ सु म प मि ॥ म जि केमि मि सु विव मि न भा
 केमि सु ॥ लि नी म जि ल म भ र व ल भि नी॥ म जि वी द व ले इ द के

श्री.
२१

मिथुषितभपरः॥ एतन्मन्त्रगतमन्त्रिभुलगतवृविभदि॥ भद्र
उडुडवकेमिथुचमेवैपमदते॥ मन्त्रकवदिभएभुकेमिथुवितमे
उभः॥ केमिथुडुडवमेडकेमिथुडविणीयते॥ एवभमीविमत्रुवि
केएठेमेरभंभितः॥ गलिडुनेवमकेउवद्रकेएिमडेयि॥ ग॥ श्री
मेष्टवम॥ ग॥ केवभजे॥ उष्टुष्टुभेपमेसंभरिमलभा॥ विष्टुभल
ह॥ कृदिभष्टुठेमेष्टुष्टुदर॥ श्रीठेगवउवम॥ गूदेरभिरुम
इजंमिडुंयइवविष्टुते॥ सुवमपमभंष्टुष्टुनिरवमपरिष्टुते॥ निर

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥